# सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

## कक्षा 10 – सत्र 2019–20

## प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 2

**निर्धारित समय– 3 घंटे** **अधिकतम अंक – 80**

**सामान्य निर्देशः–**

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

---

## खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**1.** नीचे दिए गए चित्र में भारत माता हाथ में त्रिशूल लिये हाथी व शेर के बीच खड़ी है। ये दोनों किसके प्रतीक है? 1

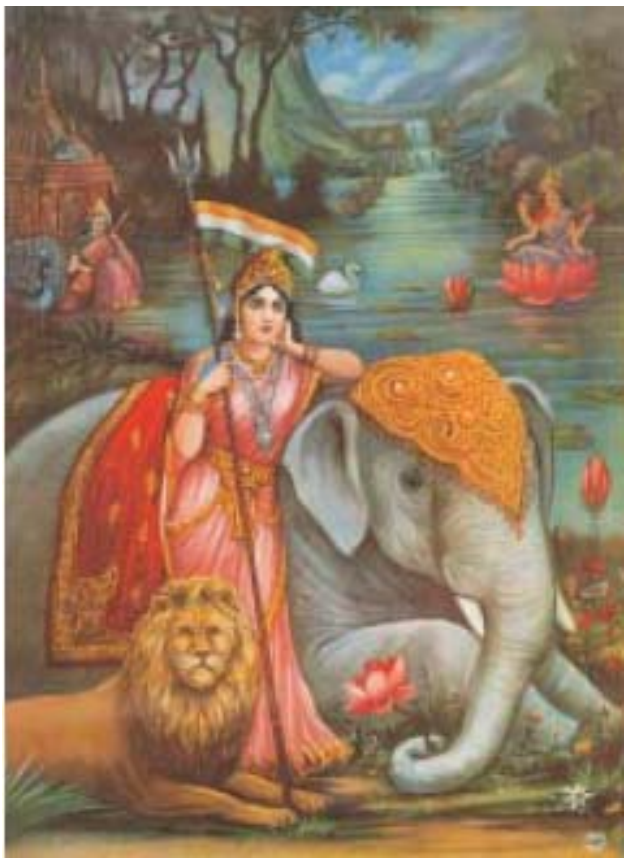

(a) अहंकार और शक्ति
(b) शक्ति और सत्ता
(c) आजादी और गणतन्त्र
(d) शक्ति और वन्य–जीव प्रेम

**उत्तर** (b) शक्ति और सत्ता

**2.** "मुद्रण तकनीक ने महिलाओं को अपनी भावनाएँ बाहरी दुनिया से बाँटने का अवसर दिया।" एक उपयुक्त उदाहरण की सहायता से कथन का समर्थन कीजिए। 1

**उत्तर**

कई पत्रिकाओं ने लेखिकाओं को जगह दी और उन्होंने नारी शिक्षा की जरूरत को बार–बार रेखांकित किया।

**3.** 1840 के दशक में किस फसल के अकाल के कारण आयरलैंड में लाखों लोग भूख से मर गए थे? 1

(a) गेहूँ (b) आलू
(c) मक्का (d) चावल

**उत्तर** (b) आलू

**4.** इंग्लैण्ड में श्रमिक मशीनों और नई तकनीक से शत्रुता क्यों करने लगे थे? 1

(a) वे ये नहीं जानते थे कि इन मशीनों को उपयोग कैसे किया जाए।
(b) वे डरे हुए थे कि उनकी जीविका और नौकरी चली जाएगी।
(c) नई मशीन खरीदने के लिए श्रमिक गरीब थे।
(d) वे मशीनों से डरे हुए थे।

**उत्तर** (b) वे डरे हुए थे कि उनकी जीविका और नौकरी चली जाएगी।

**5.** निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखे– 1
खादर मृदा की तुलना में बांगर मृदा अधिक उपजाऊ होती है।

**उत्तर**

**बांगर मृदा** की तुलना में **खादर मृदा** अधिक उपजाऊ होती है।

**6.** निम्नलिखित कोयले के प्रकारों को घटती कार्बन मात्रा के

आधार पर व्यवस्थित कीजिए– 1

1. बिटुमिनस
2. एन्थ्रासाइट
3. पीट
4. लिग्नाइट

(a) 2–3–4–1 (b) 2–1–4–3

(c) 1–2–3–4 (d) 3–4–1–2

**उत्तर** (b) 2–1–4–3

**7.** ..... भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में 'कर्तन और दहन' कृषि का एक नाम है। 1

**उत्तर** झूम

**अथवा**

भारत में तीन फसली मौसम हैं रबी, खरीफ और ..... ।

**उत्तर** जायद

**8.** निम्नलिखित में से कौन–सा कथन पिछले वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति के सम्बन्ध में सही नहीं है– 1

(a) वस्तुओं के विनिमय का स्थान ज्ञान और सूचना के विनिमय ने लिया है।

(b) भारत के किसी भी चीन के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

(c) भारत साफ्टवेयर के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक शक्ति बनकर उभरा है।

(d) भारत महंगी तकनीकी के निर्यात से बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा कमा रहा है।

**उत्तर** (b) भारत के किसी भी चीन के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

**9.** नीचे दिया गया कार्टून निम्न में से किस विकल्प को दर्शाता है–1

(a) राजतन्त्र की समस्याएँ

(b) गठबन्धन सरकार के नेता द्वारा सरकार में शामिल बाकि दलों को संतुष्ट रखने की समस्या

(c) राज्य की शक्तियों का बँटवारा

(d) भाषायी विविधता सम्बन्धी समस्याएँ

**उत्तर** (b) गठबन्धन सरकार के नेता द्वारा सरकार में शामिल बाकि दलों को संतुष्ट रखने की समस्या

**10.** पश्चिम बंगाल में अधिकतर जूट मिलें किस नदी के किनारे स्थित हैं? 1

**उत्तर** हुगली नदी के।

**अथवा**

कौन–से क्षेत्र में लोहा–इस्पात उद्योग के केन्द्र अधिकतर स्थापित हैं?

**उत्तर** छोटा नागपुर का पठार।

**11.** भारतीय जनता पार्टी के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए– 1

| राजनीतिक दल | स्थापना वर्ष | गठबंधन/मोर्चा | चुनाव चिन्ह |
|---|---|---|---|
| भारतीय जनता पार्टी | (A)–? | राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) | (B)–? |

**उत्तर**

(A) – 1980

(B) – कमल का फूल

**12.** ..... श्रीलंका में दो समुदायों के बीच अविश्वास के कारण शुरू किया गया था। 1

**उत्तर** गृहयुद्ध

**अथवा**

..... ने श्रीलंका में अलग ईलम (सरकार) की मांग करते हुए सत्ता संघर्ष शुरू किया है।

**उत्तर** तमिलियन राजनीतिक संगठन

**13.** लड़के और लड़कियों के पालन–पोषण में यह मान्यता उनके मन में बैठा दी जाती है कि औरतों की प्रमुख जिम्मेवारी गृहस्थी चलाने और बच्चों का पालन–पोषण करने की है। औरतें घर के सारे काम काज; जैसे सफाई करना, कपड़े धोना, खाना बनाना और बच्चों की देख–रेख करना आदि करती हैं जबकि

पुरुष घर के बाहर का काम करते हैं। 1
ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यह किस प्रकार के विभाजन को प्रदर्शित करती है–
(a) श्रम लैंगिक विभाजन (b) धार्मिक विभाजन
(c) आर्थिक विभाजन (d) सामाजिक विभाजन

**उत्तर** (a) श्रम लैंगिक विभाजन

**14.** लोकतंत्र ने महिलाओं को उनके आत्मसम्मान की लड़ाई में किस प्रकार सहायता की है? 1

**उत्तर**

लोकतंत्र ने गरिमा एवं समानता के लिए महिलाओं की इस लड़ाई को वैध एवं नैतिक छवि प्रदान की है।

**अथवा**

आजकल लोकतंत्र को अन्य तरह की सरकारों से बेहतर क्यों समझा जाता है?

**उत्तर**

क्योंकि यह नागरिकों में समानता को प्रोत्साहित करता है।

**15.** सूची–I (कृषि क्षेत्रक की समस्याएँ) और सूची–II (कुछ संभावित उपाय) का मिलान करें– 1

| | सूची–**I** | | सूची–**II** |
|---|---|---|---|
| 1. | असिंचित भूमि | क | कृषि–आधारित मिलों की स्थापना |
| 2. | फसलों का कम मूल्य | ख | सहकारी विपणन समितियाँ |
| 3. | कर्ज भार | ग | सरकार द्वारा खाद्यान्नों की वसूली |
| 4. | मंदी काल में रोजगार का अभाव | घ | सरकार द्वारा नहरों का निर्माण |
| 5. | कटाई के तुरन्त बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने की विवशता | ड़ | कम ब्याज पर बैंकों द्वारा साख उपलब्ध कराना। |

**उत्तर** 1–घ़, 2–ग, 3–ड़, 4–क, 5–ख

**16.** जनता के शासन को क्या कहते हैं? 1

**उत्तर** लोकतंत्र।

**अथवा**

किस देश ने अपनी सामाजिक विभिन्नताओं को सफलतापूर्वक ढंग से हल कर लिया है?

**उत्तर** बेल्जियम।

**17.** नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़े और सही विकल्प चुनें– 1

**कथन** (A) : किसी देश की औसत आय US$ 12,056 है, हालाँकि वह देश अभी भी विकसित देश नहीं है।

**कारण** (R) : देश में आय का स्तर अत्यधिक विषम है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

**उत्तर** (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

**18.** भारतीय जनता पार्टी की एक नीति के बारे में बताएँ, जिसके वह पक्ष में है। 1

**उत्तर**

भारतीय जनता पार्टी समान नागरिक संहिता बनाने और धर्मांतरण पर रोक लगाने के पक्ष में है।

**19.** ..... परिवारों की ऋण की अधिकांश जरूरतें अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती हैं। 1

**उत्तर** गरीब

**20.** निम्नलिखित में से किस क्षेत्र ने भारत में वैश्वीकरण के कारण लाभ नहीं उठाया है? 1
(a) औद्योगिक क्षेत्र (b) व्यापारिक क्षेत्र
(c) कृषि क्षेत्र (d) परिवहन क्षेत्र

**उत्तर** (c) कृषि क्षेत्र

## खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

**21.** जॉबर (Jobber) किसे कहते थे? उसके कार्यों का उल्लेख करें। 3

**उत्तर** :

मिलों की संख्या बढ़ने के साथ मजदूरों की मांग बढ़ रही थी और रोजगार चाहने वालों की संख्या रोजगारों के मुकाबले हमेशा अधिक रहने के कारण नौकरी पाना कठिन था। मिलों में प्रवेश भी निषिध था। उद्योगपति नए मजदूरों की भर्ती के लिए प्रायः एक जॉबर रखते थे। जॉबर प्रायः कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था। वह अपने गांव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में बसने के लिए सहायता करता था और मुसीबत में आर्थिक सहायता भी करता था। इस प्रकार जॉबर शक्तिशाली और मजबूत व्यक्ति

बन गया था। बाद में जॉबर मदद के बदले पैसे व उपहार मांगने लगे और मजदूरों के जीवन को नियंत्रित करने लगे।

**अथवा**

19वीं शताब्दी में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीय व्यापारियों पर लगाए गए किन्हीं तीन प्रतिबंधों का उल्लेख कीजिए।

**उत्तर** :

1. भारतीय व्यावसायियों के लिए वह जगह सिकुड़ती गई जिसमें वे कार्य कर सकते थे।
2. उन्हें अपना तैयार माल यूरोप में बेचने से रोक दिया गया।
3. वे मुख्य रूप से कच्चे माल और अनाज, कपड़े, कपास, अफीम, गेहूँ और नील का ही निर्यात कर सकते थे जिनकी अंग्रेजों को जरूरत थी।
4. धीरे–धीरे उन्हें जहाजरानी व्यवसाय से भी बाहर धकेल दिया गया।

**22.** 19वीं शताब्दी के अंत में उपनिवेशवाद का स्वरूप क्या था? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 3

**उत्तर** :

19वीं सदी के अंत में उपनिवेशवाद के कारण व्यापार में उन्नति और बाजार में वृद्धि हुई परंतु यह समय केवल व्यापार में वृद्धि और अधिक खुशहाली का ही नहीं था, इसका एक अंधकारमय पक्ष भी था जो कि निम्नलिखित थाः

1. विश्व के कई भागों में व्यापार में वृद्धि और विश्व अर्थव्यवस्था के साथ संबंध के कारण लोगों की स्वतंत्रता समाप्त हो गई और आजीविका के साधन छिन गए।
2. 19वीं शताब्दी के अंत तक यूरोपीय विजयों ने कई प्रकार के दर्दनाक–आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन किए। उदाहरणतया अफ्रीका का विभाजन 1885 में बर्लिन की बैठक में किया गया। इसीलिए अफ्रीका के देशों की सीमाएँ समान सीधी रेखाओं की तरह हैं क्योंकि यह एक पैमाने से खींची गई थीं।
3. उपनिवेशवाद से ब्रिटेन और फ्रांस के उपनिवेशों में भारी वृद्धि हुई।
4. बेल्जियम और जर्मनी नई औपनिवेशिक शक्तियाँ बनी।
5. 1890 के दशक के अंत में अमेरिका ने भी कुछ उपनिवेशों पर, जो पहले स्पेन के पास थे, अधिकार किया और औपनिवेशिक देश बन गया।

**अथवा**

अमेरिका के नए समुद्री मार्ग की खोज ने पूर्व–औद्योगिक विश्व को बदल दिया। इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

**उत्तर** :

अमेरिका के नए समुद्री मार्ग की खोज ने पूर्व–औद्योगिक विश्व में निम्नलिखित परिवर्तन किएः

1. हमारे बहुत सारे खाद्य पदार्थ, जैसे –आलू, सोया, मूँगफली आदि अमेरिका से यूरोप पहुँचे। इनसे जनसाधारण के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया।
2. पेरू और मैक्सिको में मौजूद खानों से निकलने वाली कीमती धातुओं, विशेष रूप से चाँदी, ने यूरोप की संपदा में वृद्धि की। इससे पश्चिमी एशिया के व्यापार को गति प्राप्त हुई।
3. दास प्रथा प्रारंभ हुई और यूरोपीय व्यापारियों ने अफ्रीका से दासों को पकड़ा और बेच दिया जिन्हें अमेरिका ले जाकर उनसे यूरोपीय बाजारों के लिए कपास और चीनी का उत्पादन करवाया जाने लगा।
4. यूरोप व्यापार का केंद्र बन गया।

**23.** नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

**स्रोत क**

"सत्याग्रह शारीरिक बल नहीं है। सत्याग्रही अपने शत्रु को कष्ट नहीं पहुँचाता। वह अपने शत्रु का विनाश नहीं चाहता। ..... सत्याग्रह के प्रयोग में दुर्भावना के लिए कोई स्थान नहीं होता। सत्याग्रह तो शुद्ध आत्मबल है। सत्य ही आत्मा का आधार होता है। इसलिए इस बल को सत्याग्रह का नाम दिया गया है आत्मा ज्ञान से हमेशा लैस होती है। इसमें प्यार की लौ जलती है.....। अहिंसा सर्वोच्च धर्म है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विनाशकारी शस्त्रों के मामले में ब्रिटेन या यूरोप का मुकाबला नहीं कर सकता। अंग्रेज युद्ध के देवता की उपासना करते हैं। वे सब हथियारों से लैस हो सकते हैं, होते जा रहे हैं। भारत में करोड़ों लोग हथियार लेकर नहीं चल सकते। उन्होंने अहिंसा के धर्म को आत्मसात् कर लिया है.....।"

**स्रोत ख**

6 जनवरी, 1921 को संयुक्त प्रांत में रायबरेली के पास पुलिस ने किसानों पर गोली चलाई। जवाहर लाल नेहरू घटनास्थल का दौरा करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। गुस्से में नेहरू ने अपने आस–पास खड़े किसानों को ही संबोधित किया। बाद में इस सभा के बारे में उन्होंने बताया था।

"उनका आचरण खतरे के सामने होते हुए भी बहादुर, शांत और निश्चिंत लोगों जैसा था। पता नहीं उन्हें क्या महसूस हो रहा था लेकिन मुझे पता है कि मैं क्या महसूस कर रहा था। एक पल के लिए मेरा भी खून खौल उठा था, अहिंसा तो न जाने कहाँ छूट गई थी लेकिन सिर्फ एक पल के लिए। जिसे ईश्वर की कृपा से हमें विजय द्वार पर ले जाने के लिए भेजा गया है उस महान नेता के विचार मुझे याद आ गए और मैंने देखा कि मेरे आस–पास बैठे और खड़े किसान मेरे से कम उत्तेजित मेरे से ज्यादा शांत थे। मेरी दुर्बलता का यह क्षण बीत गया। मैंने पूरी विनम्रता के साथ अहिंसा पर उनसे बात

की। यह सब उनसे ज्यादा मुझे सीखना था– उन्होंने मेरी बात समझी और शांति से चले गए।"

**स्रोत ग**

हमारा विश्वास है कि किसी भी समाज की तरह भारतीय जनता का भी यह एक अहरणीय अधिकार है कि उन्हें आजादी मिले। अपनी मेहनत का फल मिले और जीवन की सभी आवश्यकताएँ पूरी हों जिससे उन्हें आगे बढ़ने के परिपूर्ण अवसर मिलें। हमारा यह भी विश्वास है कि यदि कोई भी सरकार अपनी जनता को इन अधिकारों से वंचित रखती है और दबाती है तो फिर जनता को भी सरकार को बदलने या उसे समूल समाप्त करने का अधिकार है। भारत में ब्रितानी सरकार ने न केवल भारतीय जनता को स्वतंत्रता से वंचित किया है बल्कि उसने जनता का शोषण किया है और देश को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर नष्ट कर दिया है। इसलिए हमारा विश्वास है कि भारत को अनिवार्य रूप से ब्रिटेन के साथ अपने सभी संबंधो को समाप्त कर पूर्ण स्वराज प्राप्त करना चाहिए।

**स्रोत क**

23.1 शारीरिक बल और आत्मबल में मुख्य अंतर क्या है? 1

**उत्तर** :

शारीरिक बल धरती पर बनाए गए नियमों के लिए हिंसक है जबकि आत्मबल प्रेम और एकता की ज्योति जलाता है।

**स्रोत ख**

23.2 अवध के किसान ताल्लुकदार और भू–स्वामियों के विरुद्ध प्रदर्शन क्यों कर रहे थे? 1

**उत्तर** :

ताल्लुकदार और भू–स्वामी किसानों से अधिक किराया माँग रहे थे। किसानों को बेगार करनी पड़ती थी और भूस्वामियों के अन्य काम भी बिना किसी मेहनताने के करने पड़ते थे।

**स्रोत ग**

23.3 स्वतंत्रता, भारतीय लोगों का अहरणीय अधिकार क्यों है? 1

**उत्तर** :

यह भारतीय लोगों का अहरणीय अधिकार है क्योंकि भारतीयों को भी स्वतंत्रता का आनंद लेने का, अपनी मेहनत के फल का आनंद उठाने का और जीवन की आवश्यकताएँ पूरी करने का अधिकार है।

**24.** स्वतंत्रता के पश्चात् केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा भारतीय कृषि की दशा सुधारने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करें। 3

**उत्तर** :

भारतीय कृषि की दशा सुधारने के लिए निम्न कदम उठाए गए–

1. जमींदारी प्रणाली को समाप्त किया गया।
2. खेतों की चकबंदी की गई।
3. नई सिंचाई योजनाएँ आरंभ की गई।
4. उच्च उत्पादकता वाले बीज लाए गए।
5. कीटों और बीमारियों पर नियंत्रण किया गया।
6. उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न तकनीकों का प्रयोग किया गया।

**अथवा**

भारत को कृषि प्रधान देश क्यों कहा जाता है? तीन बिंदुओं में स्पष्ट करें।

**उत्तर** :

निम्न कारणों से भारत को एक कृषि प्रधान देश कहा जाता है–

1. भारत की दो–तिहाई जनसंख्या कृषि कार्यों (कृषि, पशुपालन, मत्स्य आदि) में संलग्न है।
2. कृषि एक प्राथमिक व्यवसाय है जो खाद्य का अधिकतर भाग उत्पादित करता है।
3. यह विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल भी पैदा करती है।
4. भारतीय कृषि का देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

**25.** भारत लौह और इस्पात के उत्पादन में अपनी पूर्ण संभाव्यता का विकास करने में समर्थ क्यों नहीं है? कोई तीन कारण स्पष्ट कीजिए। 3

**उत्तर** :

भारत में लौह एवं इस्पात का अभूतपूर्व भंडार है परंतु अपनी पूर्ण संभाव्यता का विकास करने में असमर्थ है। इसके निम्नलिखित कारण है–

1. उच्च लागत तथा कुकिंग कोयले की सीमित उपलब्धता।
2 कम श्रमिक उत्पादकता साथ ही अधिक श्रमिक लागत का होना।
3. ऊर्जा की अनियमित पूर्ति तथा अविकसित अवसंरचना।

**26.** लोकतांत्रिक आदर्शों को जातिवाद किस प्रकार से बर्बाद करता है? 3

**उत्तर** :

**लोकतांत्रिक आदर्शों को जातिवाद द्वारा बर्बाद करना–**

1. जाति प्रथा योग्य व्यक्तियों को चुनाव से बाहर ही रखती है क्योंकि ये अपने लिए बहुमत नहीं जुटा पाते।
2. जातिवाद के कारण ही लोग **वोट बैंक** की राजनीति करते हैं। जातिवाद के कारण आर्थिक समस्याएँ अधिक बढ़ती हैं और देश का विकास अवरूद्ध हो जाता है। भ्रष्टाचार और भ्रष्ट विचारों के विष वृक्ष जातिवाद की भूमि में ही उगते हैं।
3. जाति प्रथा बाहुबलियों और धन को एक शक्ति के रूप में प्रयोग करने वाले लोगों का ही वर्चस्व बढ़ाती है। अनेक

लोग भयभीत होकर मतदान करने से कतराते हैं या अपने राजनीतिक अधिकार का प्रयोग स्वस्थ मनः स्थिति में नहीं करते हैं। जाति प्रथा के कारण ही सरकार अस्थायी या अस्थिर होती जाती है।

**27.** वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएँ लिखें। 3

**उत्तर :**

**वस्तु विनिमय प्रणाली की तीन सीमाएँ–**

1. वस्तु विनिमय प्रणाली में वस्तु विनिमय तभी संभव है जब आवश्यकता का दोहरा संयोग पाया जाए।
2. वस्तु विनिमय प्रणाली में धन या मूल्य के संचय में कठिनाई होती हैं।
3. कुछ वस्तुएँ अविभाज्य होती हैं अतः कुछ आवश्यकताएँ पूरी नहीं की जा सकती।
4. वस्तुओं का भंडारण लम्बे समय के लिए नहीं किया जा सकता।

**अथवा**

बैंकों और सहकारी समितियों को अपनी गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाने की आवश्यकता क्यों है? स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

बैंकों और सहकारी समितियों को अपनी गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में–

1. साहूकार ब्याज की ऊँची दर लेते है।
2. साहूकार अपना पैसा वापिस लेने के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग करते हैं।
3. ग्रामीण विकास के लिए सस्ता और सामर्थ्य के अनुकूल कर्ज होना चाहिए।
4. सस्ता कर्ज उत्पादन की लागत में कमी करता है।

**28.** बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण करती हैं? कोई तीन बिन्दु समझाएँ। 3

**उत्तर :**

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उत्पादन पर नियंत्रण करने के लिए कई विधियाँ अपनाती हैं। उनमें तीन विधियाँ निम्नलिखित हैं–

1. **संयुक्त उपक्रम विधि**–कई बार अंतर्राष्ट्रीय कंपनियाँ कुछ स्थानीय कंपनियों के साथ मिल कर उत्पादन करती हैं। इससे स्थानीय कंपनियों को भी लाभ होता हैं। संयुक्त उपक्रम से स्थानीय कंपनियों को दो लाभ होते हैं–

(a) अतिरिक्त निवेश के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ राशि उपलब्ध कराती हैं।

(b) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने साथ उत्पादन की आधुनिक तकनीक लाती हैं।

2. **स्थानीय कंपनियों को क्रय करना**–बहुराष्ट्रीय कंपनियों का निवेश करने का दूसरा तरीका स्थानीय कंपनियों को खरीदना है। स्थानीय कंपनियों का क्रय करके वे उत्पादन को बढ़ाती हैं।
3. **छोटे उत्पादकों से माल खरीदना**–छोटे उत्पादकों से माल खरीद कर वे उत्पादन पर नियंत्रण करती हैं।

## खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**29.** इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 5

**उत्तर :**

इटली के एकीकरण की प्रक्रिया को निम्नलिखित चरणों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

**प्रथम चरण–** सन् 1852 ई. में कावूर सार्डीनिया पीडमान्ट का प्रधानमंत्री बना। उसने इस राज्य की शक्ति बढ़ाई, क्रीमिया के युद्ध में भाग लिया और सार्डीनिया राज्य को एक बड़े देश के स्तर पर ला खड़ा किया। उसने फ्रांस से मिलकर लाम्बार्डी को सार्डीनिया पीडमान्ट राज्य में मिला लिया।

**द्वितीय चरण–** द्वितीय चरण में मोडेना, टस्कनी, पर्मा आदि राज्यों में जनमत संग्रह हुआ और उन्होंने सार्डीनिया में विलय की घोषणा कर दी।

**तृतीय चरण–** सन् 1860 ई. में गैरीबाल्डी ने सिसली और नेपल्स पर विजय प्राप्त की और विक्टर एमेनुअल ने चर्च राज्य के दो भागों पर अधिकार कर लिया।

**चतुर्थ चरण–** सन् 1860 ई. में ऑस्ट्रो–प्रशा युद्ध के परिणामस्वरूप वेनेशिया पर अधिकार हो गया और 1870 ई. में फ्रांस–प्रशा युद्ध के फलस्वरूप रोम पर अधिकार हो गया।

सन् 1871 ई. में पोप से समझौता हो गया और रोम दो भागों में विभक्त हो गया। इस प्रकार से एकीकृत इटली का जन्म हुआ।

**अथवा**

जर्मनी के एकीकरण की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करते हुए उनमें बिस्मार्क की भूमिका भी बताइए।

**उत्तर :**

**जर्मनी के एकीकरण (सन् 1789 से 1871) की अवस्थाओं में बिस्मार्क की भूमिका–**

1. **प्रथम अवस्था**–एकीकरण से पूर्व 18वीं शताब्दी में जर्मनी अनेक छोटे–बड़े राज्यों जैसे कि प्रशिया, बावेरिया, सैक्सनी आदि में विभाजित था। इसलिए जर्मनी का आर्थिक विकास बहुत ही धीमा था। राष्ट्रीय जागृति के साथ ही जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। 1815 ई. में जर्मनी के राज्यों को आस्ट्रिया के साथ मिलाकर एक जर्मन महासंघ की स्थापना की कोशिश की गई। इसी संदर्भ में फ्रेंकफर्ट में एक राष्ट्रीय पार्लियामेंट (संसद) बुलाई गई जिसे संविधान निर्माण का कार्य सौंपा गया लेकिन इस पार्लियामेंट को आस्ट्रिया के विरोध के कारण सफलता नहीं मिली।
2. **द्वितीय अवस्था**–फ्रेंकफर्ट की पार्लियामेंट की असफलता के बाद जर्मनी के एकीकरण का कार्य लोकतंत्र के रूप

में न होकर प्रशिया के चांसलर (प्रधानमंत्री) द्वारा सैन्य शक्ति एवं कूटनीति के सहारे होने लगा। बिस्मार्क ने अपनी **लहू एवं लोहे की नीति** द्वारा जर्मनी के एकीकरण का कार्य तीव्रता से पूरा किया। सर्वप्रथम 1864 ई. में बिस्मार्क के नेतृत्व में प्रशिया (जर्मनी का सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य/प्रांत) एवं डेनमार्क में एक युद्ध हुआ जिसमें प्रशिया की विजय हुई और शैल्सविग का प्रदेश मिला।

3. **तृतीय अवस्था–**1866 ई. में प्रशिया (या जर्मनी) का आस्ट्रिया के साथ युद्ध था। इस युद्ध में प्रशिया को जीत प्राप्त हुई और इस विजय के कारण प्रशिया में कई प्रदेश जैसे हैनोवर, होल्सटीन, लक्समबर्ग, कैसल तथा फ्रेंकफर्ट इत्यादि आ मिले। जर्मनी से आस्ट्रिया का प्रभाव अब सदैव के लिए समाप्त हो गया और इससे जर्मनी के एकीकरण का काम काफी आसान हो गया।
4. **चतुर्थ अवस्था–** सन् 1870 ई. में जर्मनी (प्रशा) का फ्रांस के साथ एक भयंकर युद्ध हुआ (याद रहे इसे विश्व इतिहास में प्रायः प्रशा–फ्रैंको युद्ध 1870 के नाम से ही जाना जाता है) जिसमें फ्रांस (जो उस समय प्रायः ब्रिटेन के बाद विश्व की सबसे बड़ी शक्ति जाना जाता था) की करारी हार हुई और उससे आल्सेस और लारेन के दो महत्त्वपूर्ण प्रदेश छीन लिए गए। इन विजयों से प्रभावित होकर बाकी बचे हुए जर्मन प्रदेश भी (जैसे बावेरिया, बर्टनबर्ग, बेडन आदि) जर्मन महासंघ में शामिल हो गए। प्रशिया के शासक विलियम प्रथम को 1871 ई. में संयुक्त जर्मनी का सम्राट घोषित कर दिया गया। बिस्मार्क अनेक वर्ष तक जर्मनी एवं यूरोप की राजनीति में सर्वाधिक सफल कूटनीतिज्ञ माना गया। उसी के प्रयत्नों से वस्तुतः जर्मनी के एकीकरण का कार्य 1871 में पूरा हुआ।

**30.** निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

संघीय शासन व्यवस्था में सर्वोच्च सत्ता केन्द्रीय प्राधिकार और उसकी विभिन्न आनुषंगिक इकाइयों के बीच बँट जाती है। आम तौर पर संघीय व्यवस्था में दो स्तर पर सरकारें होती हैं। इसमें एक सरकार पूरे देश के लिए होती है जिसके ज़िम्मे राष्ट्रीय महत्त्व के विषय होते हैं। फिर, राज्य या प्रांतों के स्तर की सरकारें होती हैं जो शासन के दिन–प्रतिदिन के कामकाज को देखती हैं। सत्ता के इन दोनों स्तर की सरकारें अपने–अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर अपना काम करती हैं।

इस अर्थ में संघीय शासन व्यवस्था एकात्मक शासन व्यवस्था से ठीक उलट है। एकात्मक व्यवस्था में शासन का एक ही स्तर होता है और बाकी इकाइयाँ उसके अधीन होकर काम करती हैं। इसमें केंद्रीय सरकार प्रांतीय या स्थानीय सरकारों को आदेश दे सकती है। पर संघीय व्यवस्था में केंद्रीय सरकार राज्य सरकार को कुछ खास करने का आदेश नहीं दे सकती। राज्य सरकारों के पास अपनी शक्तियाँ होती हैं और इसके लिए वह केन्द्रीय सरकार को जवाबदेह नहीं होती हैं। ये दोनों ही सरकारें अपने–अपने स्तर पर लोगों को जवाबदेह होती हैं।

30.1 आजकल संघीय व्यवस्थाओं को क्यों पसन्द किया जा रहा है?

30.2 "संघीय शासन व्यवस्था एकात्मक शासन व्यवस्था से ठीक उलट है।" स्पष्ट कीजिए।

30.3 संघात्मक शासन प्रणाली के दो स्तरों को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

30.1 संघीय व्यवस्था को पसंद किया जा रहा है क्योंकि–

(a) संघीय व्यवस्था प्रशासन को प्रभावशाली व दक्ष (निपुण) बनाने में सहायता करती है।

(b) संघीय व्यवस्था सभी विभाजित समूहों को एकत्रित करने में सहायता करती है।

30.2

(a) ऐकिक सरकार में सरकार का केवल एक स्तर होता है, जबकि संघीय सरकार में सरकार के दो या दो से अधिक स्तर होते हैं।

(b) ऐकिक सरकार में, उप इकाई केन्द्र की अधीनस्थ होती है, जबकि संघीय व्यवस्था में केन्द्र सरकार राज्य सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है।

(c) ऐकिक व्यवस्था में, केन्द्र सरकार उप इकाइयों को आदेशित कर सकती है, जबकि संघीय व्यवस्था में ऐसा नहीं होता है।

30.3 संघात्मक शासन में सरकार के दो स्तर होते हैं–

(a) पूरे देश के लिए एक सरकार होती है जिसे केन्द्र सरकार कहते हैं। इसके पास राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार होता है।

(b) दूसरे स्तर पर प्रांतीय सरकारें होती हैं जिन्हें राज्य सरकार भी कहा जाता है। ये सरकारें अपने–अपने राज्यों के दिन–प्रतिदिन के कार्यों को देखती हैं।

**31.** मृदा अपरदन क्या है? भारत में प्रचलित मृदा अपरदन के दो प्रमुख प्रकारों का वर्णन करें। 5

**उत्तर :**

पवन तथा जल जैसी प्राकृतिक शक्तियों द्वारा भूमि की ऊपरी परत के तेजी से बहाव को मृदा अपरदन कहते हैं। सामान्यतया मृदा के बनने और अपरदन की क्रियाएँ साथ–साथ चलती हैं तथा दोनों में संतुलन होता है। प्राकृतिक तथा मानवीय कारकों द्वारा यह संतुलन बिगड़ जाता है।

**मृदा अपरदन के प्रकार–**

1. **चादर अपरदन–** जब मृदा की ऊपरी परत विस्तृत क्षेत्र में जल द्वारा बह जाती है, तो उसे चादर अपरदन कहते है। चादर अपरदन का दूसरा चरण होता है यदि अपरदन

बिना रुके काफी समय के लिए होता रहे, तो छोटी उंगली के आकार की नालियाँ विकसित हो जाती हैं जो कुछ सेमी. गहरी होती हैं। समय के साथ-साथ इन नदियों की संख्या बढ़ती जाती है तथा ये गहरी और चौड़ी हो जाती हैं और पेड़ की शाखाओं तथा तने के समान लगने लगती हैं। इसे छोटी नदी अपरदन कहते हैं।

2. **अवनालिका अपरदन-** यह चादर अपरदन का तीसरा चरण है। मृदा के अधिक अपरदन के साथ छोटी नदियाँ गहरी तथा बड़ी हो जाती हैं और अन्ततः अवनलिकाओं में परिवर्तित हो जाती हैं। अवनालिका अपरदन का प्रमुख कारण वनस्पति का नष्ट होना है। विशेष रूप से पेड़ों का कटना, जिनकी जड़ें मिट्टी को बाँधे रखती हैं। अवनलिकाएँ कृषि भूमि का कटाव कर देती हैं तथा पूरा क्षेत्र उत्खात भूमि में बदल जाता है। अवनालिका अपरदन बीहड़-खड्डों के निर्माण के लिए भी उत्तरदायी है।

**32.** आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अलग-अलग तरीके क्या हैं? इनमें से प्रत्येक का एक उदाहरण भी दें। 5

**उत्तर :**

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के निम्नलिखित चार तरीके हैं-

1. **शासन के विभिन्न अंगों में साझेदारी-** लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासन के विभिन्न अंगों, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बँटवारा होता है। जैसे हमारे देश में सत्ता का उपयोग कार्यपालिका करती है लेकिन यह संसद के अधीन कार्य करती है। न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका करती है परंतु न्यायपालिका ही कार्यपालिका और विधायिका द्वारा बनाए कानूनों पर नियंत्रण रखती है।
2. **सरकार के स्तरों पर साझेदारी-** सरकार के बीच भी विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बँटवारा हो सकता है जैसे बेल्जियम में केंद्र सरकार की अनेक शक्तियाँ देश के दो इलाकों की क्षेत्रीय सरकारों को सौंप दी गई हैं अर्थात् राज्य सरकारें केंद्र के अधीन नहीं हैं।
3. **विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और भाषाई समूहों के बीच साझेदारी-** इस आधार पर देश में स्थित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और भाषाई समूहों के बीच सत्ता में साझेदारी की जा सकती है। बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में फ्रेंच भाषी और डच भाषी लोगों की समान प्रतिनिधित्व वाली सरकार है।
4. **दबाव समूहों के बीच साझेदारी-** देश में उपस्थित विभिन्न दबाव समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी के आधार पर शासन चलाया जा सकता है। लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक पार्टियाँ, व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूरों के हित समूह सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करके या नीतियों पर अपने सदस्य वर्ग के लाभ के लिए दबाव बनाकर सत्ता में साझेदारी करते हैं।

**33.** भारतीय अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्रक के महत्त्व के कोई पाँच बिन्दु लिखें। 5

**उत्तर :**

1. कच्चे माल या प्राथमिक उत्पादों को यह क्षेत्रक मानव के लिए लाभकारी वस्तु में बदलता है।
2. यह क्षेत्रक बड़े पैमाने पर मशीनों का प्रयोग करता है। इसमें पूँजी निवेश अधिक होता है। उत्पादन की नवीनतम और आधुनिक विधियों को इस्तेमाल किया जाता है। विशेष योग्यता वाले श्रमिक ही इसमें कार्य करते हैं।
3. यह क्षेत्रक कच्चे माल को अधिक मूल्यवान बनाता है तथा इसकी उपयोगिता बढ़ा देता है।
4. बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इसमें नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाता है।
5. इस क्षेत्रक के विभिन्न उद्योग परस्पर निर्भरता वाले होने से एक-दूसरे के निकट स्थापित किये जाते हैं। एक उद्योग का अंतिम उत्पाद दूसरे उद्योग का कच्चा माल होता है। अतः शीघ्र ही वहाँ एक शहर बस जाता है।

**अथवा**

प्राथमिक क्षेत्रक तथा द्वितीयक क्षेत्रक में अन्तर के कोई पाँच बिन्दु लिखें।

**उत्तर :**

**प्राथमिक क्षेत्रक तथा द्वितीयक क्षेत्रक में अन्तर-**

| | प्राथमिक क्षेत्रक | द्वितीयक क्षेत्रक |
|---|---|---|
| 1. | इसे कृषि और सहयोगी सेवा क्षेत्रक के रूप में जाना जाता है। | इसे विनिर्माण क्षेत्रक के रूप में जाना जाता है। |
| 2. | यह क्षेत्रक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करता है। | यह क्षेत्रक एक वस्तु का रूप बदलकर उसकी उपयोगिता बढ़ा देता है। |
| 3. | यह क्षेत्रक अंसगठित होता है और पारंपरिक तकनीकों का प्रयोग करता है। | यह संगठित क्षेत्रक होता है और बेहतर तकनीकों का प्रयोग करता है। |
| 4. | कृषि, वानिकी, मत्स्यन, खनन और पशु-पालन से संबंधित गतिविधियाँ इस क्षेत्रक में शामिल हैं। | विनिर्माण इकाइयाँ, छोटे पैमाने की इकाइयाँ, बड़ी फर्में, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आदि इसमें शामिल हैं। |

| | प्राथमिक क्षेत्रक | द्वितीयक क्षेत्रक |
|---|---|---|
| 5. | भारत जैसे बहुत–से विकासशील देशों में इस क्षेत्रक में अधिकांश लोग नियोजित हैं। | यह क्षेत्रक प्राथमिक क्षेत्रक के अतिरिक्त मज़दूरों को रोज़गार प्रदान करने में असफल रहा है। |

**34.** हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं? इनके प्रयोग करने की क्या कोई सीमाएँ हैं? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 5

**उत्तर :**

एक देश के लोगों की आर्थिक स्थिति की दूसरे देश के लोगों की आर्थिक स्थिति के साथ सही–सही तुलना करने के लिए हम औसत या औसत आय का प्रयोग करते हैं।

**औसत आय की सीमाएँ–**

1. यह आय के वितरण के संबंध में सही तस्वीर पेश नहीं करती।
2. औसत आय अभौतिक वस्तुओं और सेवाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं देती।

**उदाहरण–** नीचे दी गई तालिका में दो देशों 'क' और 'ख' के 5–5 नागरिकों की आय का वर्णन किया गया है–

**तालिका : दो देशों की तुलना**

| 2007 में नागरिकों की मासिक आय (₹ में) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **देश** | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | **औसत** |
| देश 'क' | 9500 | 10500 | 9800 | 10000 | 10200 | 10000 |
| देश 'ख' | 500 | 500 | 500 | 500 | 48000 | 10000 |

क्या आप इन दोनों देशों में रहकर समान रूप से सुखी होंगे? क्या दोनों देश बराबर विकसित हैं? शायद हममें से कुछ लोग देश 'ख' में रहना पसंद करेंगे अगर हमें यह आश्वासन हो कि हम उस देश के पाँचवें नागरिक होंगे। लेकिन अगर हमारी नागरिकता संख्या लॉटरी के द्वारा निश्चित होगी तो शायद हममें से अधिकतर लोग देश 'क' में रहना पसंद करेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों देशों की औसत आय एक समान है। देश 'क' के लोग न तो बहुत अमीर हैं न बहुत गरीब, जबकि देश 'ख' के अधिकतर नागरिक गरीब हैं और एक व्यक्ति बहुत अमीर है।

## मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

**35.** (a) भारत के दिए गए रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए–

(A) वह स्थान, जहाँ पर किसानों का सत्याग्रह आंदोलन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें–

(i) रामागुंडम – तापीय ऊर्जा संयंत्र
(ii) तारापुर – आण्विक ऊर्जा संयंत्र
(iii) इंदौर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र
(iv) भिलाई – लोहा और इस्पात संयंत्र
(v) हैदराबाद – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
(vi) पारादीप – प्रमुख समुद्री पत्तन

**उत्तर**

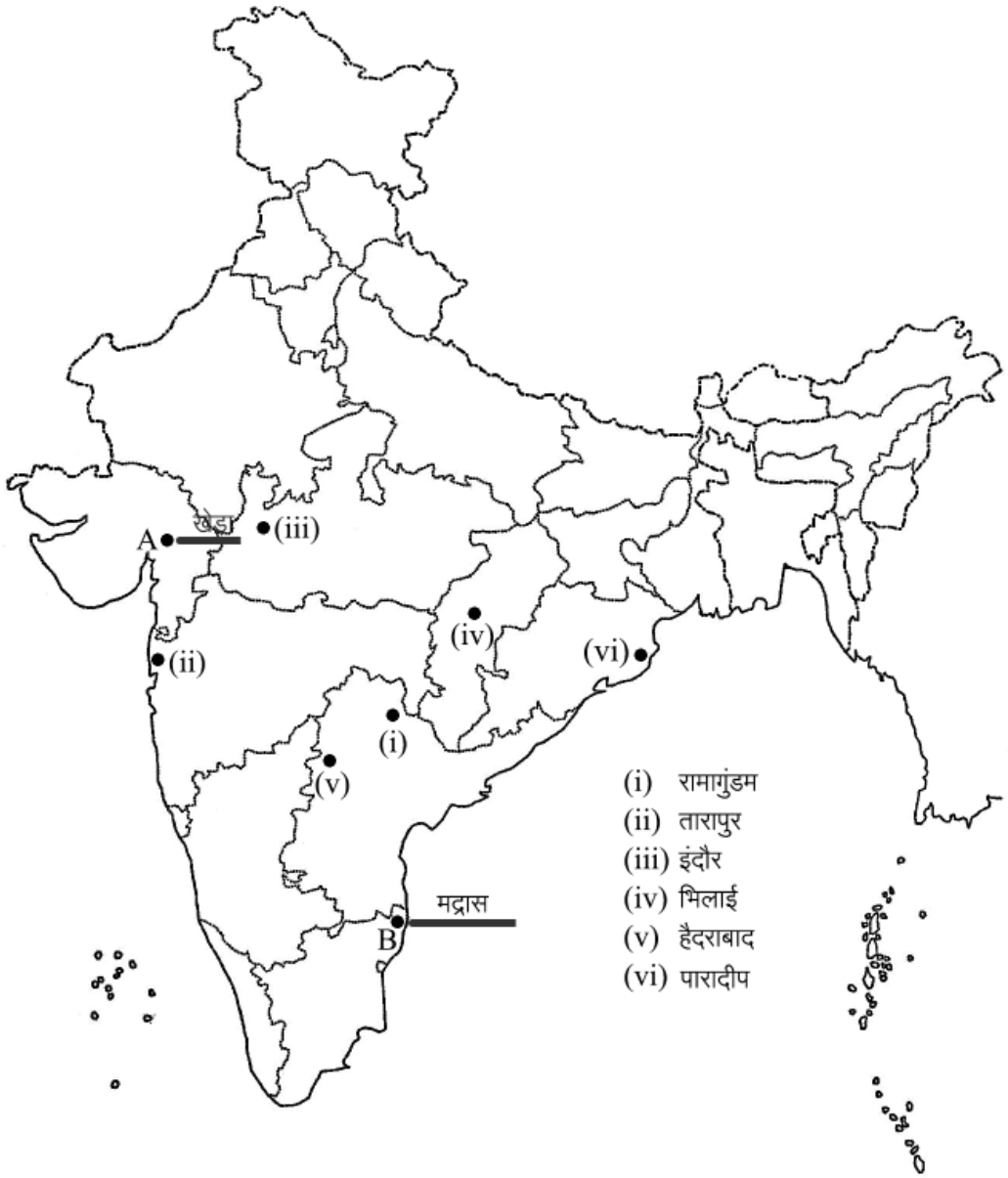


WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.